>

Title: Need for installation of free of cost power line to tubewells of the small and marginal farmers in Bundelkhand region and other parts of the country through Centrally Sponsored Schemes.

श्री आर.के.ि ंसह पटेल (बांदा): भारत एक कृषि प्रधान देश है, किंतु देश में किसानों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है। कई प्रदेशों में लगातार सूखा पड़ने, कम वर्षा एवं सिंचाई के अभाव में फसल नष्ट होने से किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। साथ ही खाद्यान्नों, दलहन, तिलहन, सब्जियों आदि का मांग के अनुसार पूर्ति न हो पाने की वजह से देश के सामने मंहगाई का संकट उत्पन्न हो गया है।

चूंकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार आदि राज्यों में बहुत बड़ा हिस्सा सिंचाई से वंचित है। उत्तर प्रदेश का बुन्देलखंड क्षेत्र मानसूनी वर्षा के सहारे खेती करता है। बुन्देलखंड का अधिकांश हिस्सा असिंचित है। यहां पर बड़े राजकीय नलकूपों की कमी है। इस क्षेत्र में छोटे-छोटे निजी सिंचाई नलकूप सफल हैं, किंतु इन निजी नलकूपों के ऊर्जीकरण का खर्च लघु सीमांत किसान देने में असमर्थ है।

यदि बुंदेलखंड के छोटे लघु सीमांत किसानों के खेतों में लगे निजी नलकूपों तक सिंचाई हेतु विद्युत लाइन नःशुल्क बना दी जाये तो बुन्देलखंड के चित्रकूट, बांदा, महोवा, हमीरपुर, झांसी आदि जिलों का किसान भुखमरी से आत्मनिर्भर हो सकता है तथा आत्महत्या को मजबूर नहीं होगा।

अतः आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि केन्द्रीय योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के बुन्देलखंड सहित देश के समस्त असिंचित क्षेत्रों के लघु सीमांत किसानों के निजी नलकूपों तक नःशुल्क विद्युत लाइन बनाकर निजी नलकूपों के ऊर्जीकरण की मांग करता हूं।